

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

Question Paper Name:	REMINGTON GAIL 27th Oct 2018 S2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2018-10-27 19:08:33
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	90898811
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	90898811
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Id: 90898811
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 90898811 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	90898812
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	90898812
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 90898812
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 90898812 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

भगवान ने हम सभी इंसानों को कोई ना कोई विशेष गुण देकर बनाया है लेकिन मानव सदैव अपनी तुलना दूसरों से करने लगता है। ऐसा करने से हमारे खुश होते हुए भी अकारण मन में दुख की भावना आ जाती है। यही वो हमारी सोच है जो हमें गलत भावना की तरफ ले जाती है। हम जो हैं जैसे भी हैं बस उसमें खुश रहना चाहिए। तो चलिए इसी सोच पर आधारित आज हम आप सबको एक कहानी बताते हैं। एक कौआ जंगल में रहता था और अपनी जीवन से पूरी तरह खुश था। लेकिन एक दिन उसने एक हंस देखा और फिर सोचने लगा कि यह हंस इतना सफेद है और मैं बहुत काला। इसलिए यह हंस दुनिया में सबसे खुश पक्षी होगा। फिर कौवे ने हंस से मिलकर अपने मन की बात बतायी तब हंस ने जबाब दिया कि मुझे तो तोता सबसे खुश पक्षी लगता है चूंकि तोते में दो रंग होते हैं। यह सुनकर कौवा तोते से मिलने गया और उसे सब बताया। इस बात पर तोता ने समझाया कि जब मैंने एक मोर नहीं देखा था तब तक मैं बहुत खुश जीवन जिता था और मेरे पास तो केवल दो रंग हैं लेकिन मोर के पास तो कई रंग हैं। फिर तोते की बात को मानते हुए कौवा मोर से मिलने पशु वारिका चला गया और वहां देखा कि लोग मोर की बस एक झलक पाने को बेकरार हैं। सबके जाने के बाद कौवे ने मोर से बात की और कहा कि आप तो बहुत सुंदर हो। हर दिन हजारों लोग आपको देखने के लिए आते हैं जबकि मुझे तो मारकर दूर भगा देते हैं। मुझे लगता है कि आप ही इस धरती पर सबसे खुश पक्षी हैं। कौवे की यह बात सुनकर मोर ने जबाब दिया कि मैंने हमेशा सोचा था कि मैं इस धरती पर सबसे सुंदर और खुशी पक्षी था। लेकिन मेरी सुंदरता के कारण मैं इस पशु वारिका में फस गया। मैंने इस जगह की बहुत सावधानी से जांच की है और मुझे एहसास हुआ है कि कौवा एकमात्र पक्षी है जो पिंजरे में नहीं रखा जाता है। तो पिछले कुछ दिनों से मैं यहीं सोच रहा था कि अगर मैं कौवा होता तो मैं अपनी खुशी से हर जगह घूम सकता था। इसलिए मुझे लगता है कि इस धरती पर तुम मुझसे कहीं अधिक सुखी हो। मोर की बात को सुनकर कौवे को अपनी बात का जबाब मिल गया कि हम जो भी जैसे भी होते हैं अच्छे ही होते हैं। बस दूसरों को देखकर लगता है कि वह हमसे अधिक खुश है पर ऐसा कुछ नहीं होता है। इसके बाद कौवा खुशी खुशी जंगल की तरफ चला गया। कौवा और मोर की तरह हम इंसान भी अपनी तुलना दूसरों के साथ करके दुखी हो जाते हैं।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes